Date
16/05/2021

अधिगम हेतु आँकलन
Topic- उपलब्धि परीक्षण व निदानात्मक परीक्षण में अन्तर

B.Ed. IInd year
Period- IInd

उपलब्धि एवं निदानात्मक परीक्षण में अन्तर →

उपलब्धि परीक्षण	निदानात्मक परीक्षण
1⇒ इन परीक्षणो के माध्यम से छात्र की विषय विशेष की योग्यता का मापन किया जा सकता है।	1⇒ इन परीक्षाओ का उद्देश्य ऐसे कारको तथा त्रुटियो की खोज करना है जो छात्र की विषय विशेष की प्रगति में बाधक है।
2⇒ इन परीक्षणो के परिणामो के आधार पर परीक्षक अथवा अध्यापक छात्र की भविष्यक चयन प्रक्रिया नियोजन, कक्षोन्नति अथवा वर्गीकरण प्रक्रिया सुनिश्चित करता है।	2⇒ इन परीक्षणो के परिणामो के आधार पर अध्यापक छात्रो की कमजोरियो एवं कठिनाइयो के निवारण हेतु उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था करता है।
3⇒ इन परीक्षणो का विषय क्षेत्र अत्यन्त व्यापक होता है।	3⇒ इन परीक्षणो का विषय क्षेत्र सामान्यत कुछ ही कौशलो की प्राप्ति तक सीमित रहता है।
4⇒ ये परीक्षण कक्षा के प्रत्यक विद्यार्थी पर प्रशासित किये जा सकते है।	4⇒ ये परीक्षाएं केवल उन्ही विद्यार्थी ~~पर~~ को दी जाती है जो कक्षा मे अपेक्षित प्रगति करने मे कठिनाई का अनुभव कर रहे होते है।

Scanned with CamScanner

उपलब्धि परीक्षण

5⇒ इन परीक्षणों का अंकन, प्रशासन एवं व्याख्या सरल है।

6⇒ इन परीक्षणों में समय एवं शक्ति कम मात्रा में व्यय होती होती है।

7⇒ इसमें समय सीमा होती है।

8⇒ अध्यापक को किसी विशेष प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं पड़ती।

निदानात्मक परीक्षण

5⇒ इन परीक्षणों का अंकन, प्रशासन एवं व्याख्या अपेक्षाकृत अधिक कठिन है।

6⇒ इन परीक्षणों में समय एवं शक्ति अधिक मात्रा में व्यय होती है।

7⇒ इसमें समय सीमा नहीं होती

8⇒ अध्यापक को विशेष प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

Scanned with CamScanner